Parimal Nathwani
Member of Parliament
(Rajya Sabha)

Member:
Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law & Justice
Consultative Committee, Ministry of Commerce and Industry
Permanent Special Invitee:
Consultative Committee, Ministry of External Affairs

सत्यमेव जयते

165, South Avenue,
New Delhi - 110 011
Ph.: 011-23794010
e-mail : parimal.nathwani@sansad.nic.in

' Vraj ', Opp. HDFC Bank,
Beside Chandanbala Tower,
Nr. Suvidha Shopping Centre,
Paldi, Ahmedabad - 380 007

मीडिया रीलिज

देश में शिशु मृत्यु दर में कमी

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री का

सांसद नथवाणीजी को उत्तर

10 अगस्त 2010 : पिछले कुछ सालों से देश में शिशु मृत्यु दर कम हुई है। सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम 2008 के आंकड़ों से यह पता चला है। वर्ष 2006 में देश में प्रत्येक हजार जीवित जन्मों पर शिशु मृत्यु दर 57 थी जो वर्ष 2008 में घट कर 53 हो गई। राज्य सभा में सांसद श्री परिमल नथवाणी के एक प्रश्न के उत्तर में केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आझाद ने इस बारे में सदन को जानकारी दी।

वर्ष 2006 में झारखण्ड राज्य में शिशु मृत्यु दर 49 थी; और ग्रामीण क्षेत्रों में वह 52 तथा शहरी क्षेत्रों में 32 थी। लेकिन वर्ष 2008 में इसमें काफी कमी दर्ज हुई और शिशु मृत्यु दर घट कर 46 हो गई। ग्रामीण एवम् शहरी क्षेत्रों में भी वह घट कर क्रमशः 49 एवम् 32 ही रह गई। वर्ष 2008 में देश में सर्वाधिक कम शिशु मृत्यु दर गोवा राज्य में 10 और उसके बाद केरल में वह 12 थी। प्रत्येक हजार जीवित जन्मों पर सब से ज्यादा शिशु मृत्यु दर मध्य प्रदेश में 70 एवम् उड़ीसा में 69 थी।

देश में शिशु मृत्यु दर में कमी के लिए सरकार की जननी सुरक्षा योजना का काफी योगदान है। गर्भवती महिलाओं ने ग्रामीण एवम् शहरी क्षेत्रों में इसका भलीभांति लाभ लिया है और इसकी वजह से काफी बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रसुति कराती हैं। सदन में मंत्रालय द्वारा पटल पर रखी गई जानकारी के मुताबिक जननी सुरक्षा योजना की लाभार्थी गर्भवती महिलाओं की संख्या जो 2005-06 में सिर्फ 7.04 लाख थी वह वर्ष 2009-10 में बढ़ कर 92.29 लाख हो गई। देश में जिला स्तर पर किए गए घरेलू सर्वेक्षण के अनुसार भी वर्ष 2002-2004 के दौरान स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रसुति की मात्रा जो केवल 40.9 प्रतिशत थी वह 2007-08 में बढ़ कर 47 प्रतिशत हो गई। स्वास्थ्य केन्द्रों में इस प्रकार प्रसुति की मात्रा बढ़ने से शिशु मृत्यु दर तो कम हुई ही, इससे प्रसुता महिलाओं की मृत्यु दर में भी कटौती हुई।

मंत्रीजी ने यह भी बताया कि जननी सुरक्षा योजना पूरे देश में लागू की गई है। उन राज्यों मे खास कर के जिनका प्रदर्शन अच्छा नहीं है, वहां जो गर्भवती महिलाएं स्वास्थ्य-केन्द्रों में प्रसुति कराना पसंद करे उन्हें अधिक ऊंचे रेट से प्रोत्साहन दिया गया। स्वास्थ्य वर्करों को भी इन राज्यों के ग्रामीण इलाकों में अधिक प्रोत्साहन दिया गया ताकि वे गर्भवती महिलाओं के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध करा सके।

★ ★ ★